प्रेम प्रार्थना परिश्रम
सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज

PAULINE पैग़ाम

2022–2023

75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रधानाचार्य की कलम से

प्रिय अभिभावक, शुभ चिंतकों एवं मेरे प्यारे छात्रों, बढ़ने और सीखने की प्रक्रिया माँ के गर्भ से ही प्रारम्भ हो जाती है। परन्तु ज्ञान अर्जित किये बिना जीवन बिताना निरर्थक है। विद्यालय, आपके बच्चों को संगठित और व्यवस्थित तरीके से अनुभवजन्य अधिगम एवं प्रयोगात्मक शिक्षा प्रदान करता है। सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज पिछले ६३ वर्षों से अविचलित प्रतिबद्धता से प्रत्येक छात्र के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्यरत है।

विद्यालय पत्रिका “कौस्तुभ” का यह अंक, एक नये नाम “पैलिन पैगाम” के साथ मुद्रित किया गया हैं। छात्रों के रचनात्मक लेखन और संगठनात्मक प्रबंधन कौशल को आपके साथ साझा करना इस पत्रिका का उद्देश्य है। इस प्रकार की गतिविधियों से छात्र न केवल रचनात्मक होना सीखेंगे बल्कि दूसरों के साथ मिलकर किस प्रकार कर्मठ व आदर्श नागरिक बने यह भी जानेंगे।

इस अंक का विषय “आजादी का अमृत महोत्सव” है। बीते ७५ वर्षों में हमारे देश ने जो तरक्की की वह वास्तव में काबिले तारीफ है। इन उपलब्धियों पर गर्व करने के साथ साथ हमें यह संकल्प भी करना है कि हम और नई ऊँचाईयों को छूने के लिए कठिन परिश्रम करते रहेंगे।

इस पत्रिका को बनाने में कई लोगों ने कड़ी मेहनत की हैं उन सभी समर्पित शिक्षकों और छात्रों के अवर्णनीय योगदान के लिए मैं उनका आभार प्रकट करता हूँ और उनको बधाई भी देता हूँ।

प्रिय माता-पिता, सेंट पॉल्स में हमारा लक्ष्य है कि हम मानवीय मूल्यों, अकादमिक उत्कृष्ठता के साथ साथ रचनात्मक और भविष्यवादी सोच से सम्पन्न एक पीढ़ी का निर्माण करें और इस कार्य में आप में से प्रत्येक का सहयोग महत्वपूर्ण और सराहनीय है। इसके लिए विद्यालय आपका आभारी रहेगा। हमें यह याद रखना चाहिए कि बच्चे, हम जो बोलते हैं उससे नहीं बल्कि, हम जो करते हैं उससे ज्यादा सीखते हैं। आइए हम सब मिलकर अपने बच्चों को सच्चाई, स्वतंत्रता, सहिष्णुता और प्रेम के वातावरण में बढ़ने में मदद करें। मैं आप में से प्रत्येक से अनुरोध करता हूँ कि इस समाचार पत्र में प्रत्येक लेख को पढ़ें, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो। ये आपके बच्चों की रचनात्मक कल्पना, उनके विचारो का प्रसारण व उनकी आकांक्षाओं के प्रतिबिम्ब और उनके बचपन की अभिव्यक्ति का फल हैं। आपकी सराहना और प्रोत्साहन निश्चित रूप से उनके आत्मविश्वास और मनोबल को बढ़ाएगी।

धन्यवाद

फादर सजी पालामट्टम

From the Desk of the Head Mistress

Education plays an important role in enabling a person to face a real life situation with adequate knowlege. School is a temple of learning and St.Paul's Inter College had been making efforts to give quality education to our children.

Change is the basic law of nature but the changes wrought by the passage of time affect individuals and institution in different ways. Needless to say the Pandemic has transformed the centuries old chalk-talk teaching model to one driven by technology.

As caretakers of the destiny of our nation, parents provide strong roots to their children through their cultural and moral values where as these budding angels are provided wings to fly by their dedicated peers and farsighted mentors. I thank God Almighty for his abundant blessings upon our institution which I have experienced through the different personals who always help us willingly. May God Bless each one.

Sr. Gracy

प्रबन्धक का संदेश

यह मेरे लिए अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज, आगरा के समाचार-पत्र ''पौलिन-पैगाम के लिए मैं हार्दिक शुभेच्छाएं अभिव्यक्त कर रहा हूँ। समाचार पत्र ही ऐसा माध्यम है जिससे कॉलेज के विभिन्न शुभचिन्तक कॉलेज की गतिविधियों को सूक्ष्मता से देख और समझ सकते हैं। यह एक ऐसा मंच सुनिश्चित करता है, जहाँ विद्यार्थी एवं शिक्षक समान रूप से अपनी आकांक्षाओं, अपने अनुभवों एवं विचारों को व्यक्त कर सकते हैं। कॉलेज के प्रबंधक के रूप में मैं इस समाचार-पत्र को शुभकामनाएं देता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इसे सम्पूर्णता प्रदान करे और इसमें योगदान देने वाले सभी लोगों पर अपना आशीर्वाद बनाये रखे।

यह भगवान का आशीर्वाद और उनकी कृपा है कि यह कॉलेज आगरा के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में से एक है। मुझे विश्वास है कि संस्थान ने शिक्षा एवं पाठयोत्तर गतिविधियों में जो प्रगति की है वह छात्रों को उनक जीवन के सभी क्षेत्रों में मानदण्ड स्थापित करने में सहायक होगी एवं शिक्षा पूरी कर लेने के उपरान्त भी पूर्व छात्रों के रूप में वे इस संस्थान के प्रति अपना आभार व्यक्त करते रहेंगे।

यह बहुत गर्व की बात है कि सेंट पॉल्स इण्टर कॉलेज छात्रों को शिक्षा, खेल, सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रमों के क्षेत्र में प्रोत्साहित करता है साथ ही उनके सर्वांगीण विकास के लिए भी गंभीरता से प्रयास कर रहा है।

मैं इस अवसर पर पूर्व आर्चबिशप को उनके मार्गदर्शन और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देता हूँ। पूर्व प्रबंधकों एवं प्रधानाध्यापकों को भी हार्दिक धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने निःस्वार्थ रूप से इस संस्थान को उसका उज्जवल स्वरूप प्रदान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समस्त शिक्षकों ने भी इस कॉलेज के उत्थान में अपने भरपूर प्रयत्न समर्पित किये हैं।

हम आगरा के आर्चबिशप परम श्रद्धेय डॉ. राफी मन्जलि के संरक्षण और सतत् सहयोग के लिए हार्दिक आभारी हैं।

इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कॉलेज के प्रधानाध्यापक फादर सजी पालामट्टअम के कुशल नेतृत्व में यह विद्यालय सभी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। प्रधानाचार्य सजी पालामट्टम अपने विद्यालय के समस्त शिक्षकों के कार्यो के दायित्वपूर्ण निर्वहन, शिक्षा एवं कॉलेज के प्रति समपर्ण से ही दिन रात इस कॉलेज को उत्कृष्टता के शिखर की ओर ले जाने में प्रत्यनशील है।

मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूँ कि सेंट पॉल्स इण्टर कॉलेज इसी प्रकार छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करता रहेगा और साथ ही अपने छात्रों को आधुनिक समाज के अनुरूप जीवन की यात्रा तय करने के लिए बौद्धिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त करता रहेगा।

मैं आशा करता हूँ कि यह विद्यालय अपनी सम्मानित छवि से छात्रों के जीवन में ज्ञान और प्रेरणा के दीप प्रज्जवलित करता रहेगा और उन्हें प्रगति के पथ पर अग्रसर रखेगा।

फादर एण्ड्रयू कोरिया

Hearty Congratulations!

Mr. N. K. Sharma

Mrs. Jyoti Luthra

Mrs. Meenu Rathore

on completing **25 years** of dedicated service to St. Paul's Inter College.

College Staff

1st Row Sitting (Left to Right): Mr. Peter Herald, Mr. Salim Khan, Mr. Amit Verma, Mr, Akhil Ahmed, Mr. Derick Peter Paul, Fr. Saji Palamattom *(Principal)*, Sr. Amali Gracy *(Headmistress)*, Mr. Kashif Uddin, Mr. Vinod Swarup, Mr. Vishal Jain, Mr. N.K. Sharma. Mr. Gregory Greenwood

2nd Row: Mrs. Neha Khanna, Ms. Jyoti Chaurasia,Mrs. Preeti Richard Romanus, Ms. Jackline Xavier, Mrs. Mamta Kanojia, Mrs. Nidhi Shakya, Mrs. Parul Sharma, Mrs. Sangeeta Robert, Mrs. Deepshikha Sharma, Mrs. Monika Sharma, Ms. Chanchal Upadhyay, Mrs. Arti Sharma, Mrs. Reena Patterson

3rd Row: Mrs. Niharika Asthana, Mrs. Vibha Sharma, Ms. Mary Parveen, Mrs. Aarti Pahuja, Mrs. Shilpi Jain, Mrs. MinniMehra, Mrs. Kavita Hoshay, Ms. Kaynat Mirza, Sr. Maria Goretti Tigga, Mrs. Meenu Rathore, Mrs. Jyoti Luthra, Mrs. Meenu Lazarus

Editorial Team

1st Row Sitting (Left to Right): Mrs. Arti Pahuja, Sr. Amali Gracy *(Headmistress)*, Fr. Saji Palamattom *(Principal)*, Ms Chanchal Upadhyay, Mrs. Parul Sharma

Standing (Left to Right): Mr. Amit verma, Mr. Vinod Swarup, Mr. Peter Herald

WELCOME
विद्यारम्भ
विद्यारम्भ
सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज
Farewell Programme
श्रमिक दिवस
की
QUIZ
COMPETITION
ST. JOHN'S HOUSE
ST FRANCIS HOUSE
ST. JOSEPH HOUSE
ST. PETER'S HOUSE

HAPPY TEACHER'S DAY

HAPPY TEACHER'S DAY

HAPPY TEACHER'S DAY

Happy Birthday
Dear
Sr.Gracy

Happy Birthday
Dear
Sr.Gracy

HAPPY CHILDREN'S DAY

WIDE AREA NETWORK

DEVELOPMENT OF MONEY
METALIC MONEY
PAPER MONEY
INTERNET BANKING

Happy Birthday
Dear
Sr.Gracy

भारत छोड़ो आन्दोलन
15 अगस्त

Happy Birthday

Happy Birthday

ST. PAULS INTER COLLEGE
NEVER GIVEUP

Krishna
Kashyap
L.K.G

NAKSH SINGH
UKG

VIRAT
U.K.G
छोटा
जवान

L.K.G

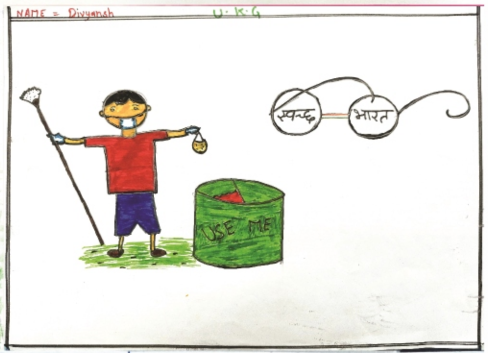
NAME = Divyansh
U.K.G
स्वच्छ
भारत
USE ME

Swach Bharat Abhiyan
USE ME
स्वच्छ भारत अभियान

शहरी वातावरण
ग्रामीण वातावरण
Hamza
U.K.G

GREEN AGRA
CLEAN AGRA
USE TOILET
USE ME
BAN PLASTIC
USE COTTON BAG

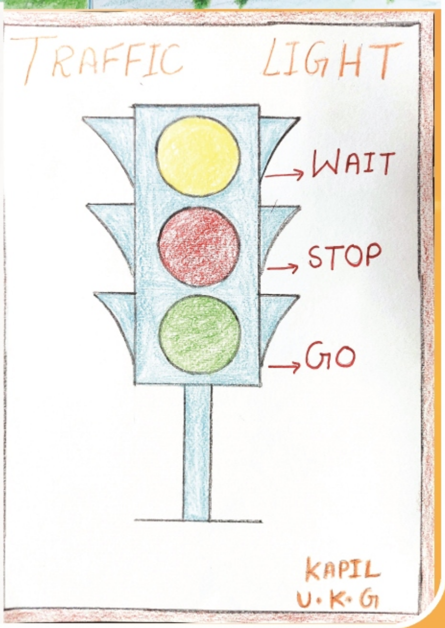
TRAFFIC LIGHT
WAIT
STOP
GO
KAPIL
U.K.G

BE CLEAN
CLEANLINESS IS NEXT TO GODLINESS
Love PEACE UNITY
Grow Green
Keep IT clEAN
BIO
NON BIO

Clean India
Green India
USE ME
Aryan Jain U-K-G
स्वच्छ भारत

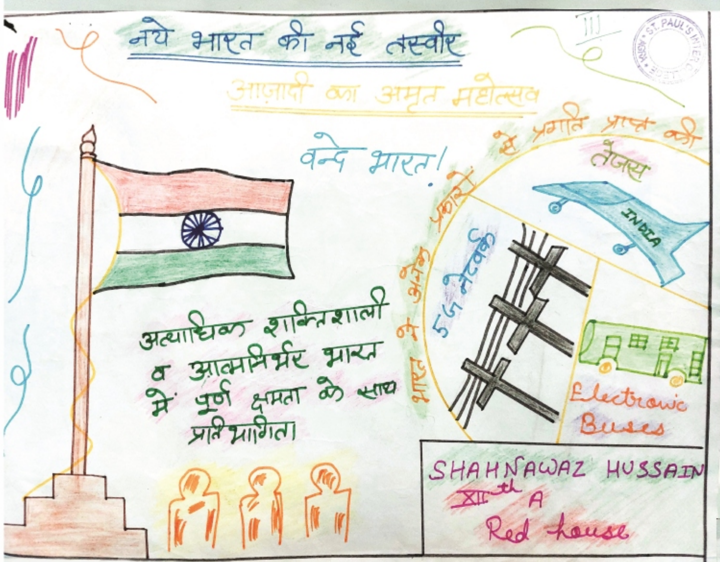
नये भारत की नई तस्वीर
आज़ादी का अमृत महोत्सव
वन्दे भारत!
तेजस
INDIA
अत्याधिक शक्तिशाली व आत्मनिर्भर भारत में पूर्ण क्षमता के साथ प्रतिभागिता।
Electronic Buses
SHAHNAWAZ HUSSAIN
XII th A
Red house

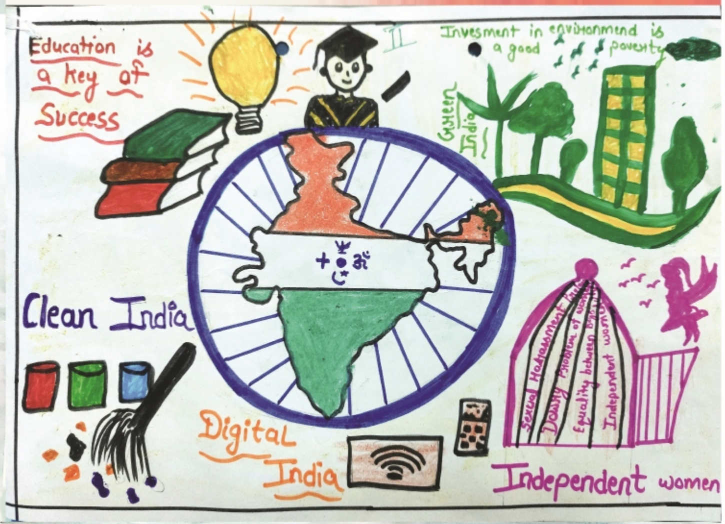
Education is a key of Success
Green India
Clean India
Digital India
Independent women

75 वां
महोत्सव
लोकतंत्र में श्रेष्ठ भविष्य
मौलिक अधिकार के साथ आगे
भारतीय संविधान
वर्तमान व भविष्य का महोत्सव

Christmas

प्रिय पाठकगण

दो वर्ष के अन्तराल के पश्चात् विद्यालय संबंधित क्रियाकलापों व छात्रों की प्रतिभाओं से सुसज्जित पत्रिका का यह अंक "आजादी के अमृत महोत्सव" आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए असीम हर्ष और उल्लास अनुभव कर रहे हैं।

वैसे करोना काल में जो वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। वह विद्यार्थी वर्ग ही है। करोना ने जहाँ पूरी एक पीढ़ी को कई वर्ष पीछे कर दिया। वही छात्रों में मानसिक तनाव व अवसाद के साथ–साथ सामाजिक रूप से कमजोर कर दिया है। ऐसी स्थिति में हमारा विद्यालय अपने कंधों पर अत्यधिक उत्तरदायित्व अनुभव करते हुए छात्रों के पुर्नसमायोजन के लिए निरन्तर प्रयासरत है। छात्रों में छिपी प्रतिभाओं को उनके आयाम तक पहुँचाने के संकल्प के साथ वर्ष 2022–23 में निर्बाध रूप से पढ़ाई के साथ–साथ विद्यालय में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम मेला, प्रदर्शनी, खेलकूद व अर्न्तवर्गीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्रों ने न केवल बढ़–चढ़ कर भाग लिया अपितु कई पुरस्कार भी प्राप्त किये। अर्न्तविद्यालय नृत्य प्रतियोगिता में लगभग 15 विद्यालयों के बीच सेन्ट पॉल्स विद्यालय के छात्रों ने एक नहीं दो बार प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। साथ ही स्किट प्रतियोगिता में भी विभिन्न विद्यालयों के बीच दूसरा स्थान प्राप्त किया। इन सभी क्रियाकलापों से छात्रों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, विवेकशीलता व सामाजिक सामन्जस्य में वृद्धि हुई। वर्ष भर हुई विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने वाले सभी छात्र व उनके अभिभावक बधाई के पात्र हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रद्धेय सजी पालामट्टम के उत्कृष्ट मार्गदर्शन व प्रबन्ध से विद्यालय ने इस कठिन काल के उपरान्त भी जो उपलब्धियाँ प्राप्त की है उसके लिए विद्यालय परिवार इस पत्रिका के माध्यम से आपका आभार प्रकट करता है।

हम विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी जी, शिक्षकों व अभिभावकों का भी उनके सहयोग व परिश्रम के लिए हृदय से धन्यवाद करते हैं।

हम आशा करते हैं कि यह अंक विद्यालय के सभी प्रयासों, छात्रों की रचनात्मकता व विवेकशीलता को सभी पाठकगणों तक पहुँचाने में सहायता प्रदान करेगा।

इसी शुभेच्छा के साथ
यह राह संघर्ष की जो चलता है।
वो ही इस संसार को बदलता है।।
जिसने रातों से जंग जीता है।
सूरज बन वही सुबह निकलता है।।

आरती पहुजा (अध्यापिका)

Pearls from the Head Boy

जुनून सभी छात्रों के अन्दर होता है और मैं हर छात्र को यही कहना चाहूँगा कि वे अपने जुनून को पहचाने। कभी–कभी ऐसा होता है कि हमारा जुनून कुछ और होता है और हम करते कुछ और हैं और मेरा यह मानना है कि जिस दिन हर छात्र या नागरिक को अपने अन्दर का जुनून पता लग जाए उस दिन वे व्यक्ति वह सभी कार्य कर सकता है जिसे सोचना असंभव है। मैं विद्यालय के प्रधानाचार्य जी एवं शिक्षकों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने मुझे कॉलेज कैप्टन बनाया, मेरी मेहनत व लगन को देखकर मेरे जुनून को उन्नति की उड़ानें भरने के लिए मुझे हौसले रुपी पंख दिये। मैं आप सभी का तहेदिल से धन्यवाद देता हूँ।

माइकल पॉल (कॉलेज कैप्टन)
कक्षा – 12 साइंस
सत्र – 2022–23

एक नजर सत्र 2022-23

1. नव सत्र शुभारम्भ (04.04.22)

नई उमंग, नया जोश व नई तकनीकियों और नई शिक्षा प्रणाली को मध्य नजर रखते हुए, छात्रों में एक बार फिर से उत्साहवर्धन करने व समस्त छात्रों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने की दृष्टि से विद्यालय में दिनांक 04.04.22 को नव सत्र का शुभारम्भ विद्यालय के प्रधानाचार्य जी व प्रधानाध्यापिका जी की उपस्थिति में कराया गया।

2. विद्यारम्भ संस्कार (09.04.22)

नव सत्र के शुभारम्भ के उपरान्त विद्यालय में नई पौध L.K.G. के छात्रों को शिक्षा व शिक्षितता के महत्व को समझाने, ज्ञान अर्जित कराकर देश का भावी–आदर्श नागरिक बनाने, शिक्षा के गृहण करने पर साक्षरता के महत्व को समझाने तथा छात्रों के भीतर नैतिक मूल्यों को निहित कराने के साथ ही शिष्टाचार के नियमों को साझा करके, अपनी संस्कृति, समाज को सभ्यतामय– शिखर पर ले जाने के उद्देश्य से दिनांक 09.04.22 को विद्यारम्भ संस्कार का आयोजन कराया गया।

3. मजदूर दिवस (02.05.22)

'जय जवान जय किसान' का नारा व्यर्थ नहीं है। जैसे किसी इमारत को बनाने के लिए मजदूरों की आवश्यकता होती है, वैसे ही देश को उन्नति की ओर अग्रसर करने के लिए वीर सैनिकों की आवश्यकता होती है। मजदूरों के लगातार कार्यरत रहने व पूर्ण विश्वास, लगन के साथ सहयोग करने के लिए साथ ही उनके सराहनीय योगदान के लिए व उनके विद्यालय में महत्वता को स्मरण कराने के उद्देश्य से विद्यालय में दिनांक 02.05.22 को विद्यालय के प्रधानाचार्य जी व प्रधानाध्यापिका जी तथा समस्त शिक्षकों की उपस्थिति में कार्यक्रमों के द्वारा मजदूर दिवस मनाया गया।

4. श्रीमती रोजम्मा जॉर्ज विदाई समारोह (14.05.22)

"मिलना–बिछड़ना" ये जीवन–चक्र का दस्तूर है। कहीं खुशी तो कहीं गम होता भरपूर है।" किसी कार्यालय में कार्यरत व्यक्ति के कार्यकाल के अन्तिम पड़ाव पर उसके कार्यों को सराहने, उसके व्यक्तित्व को समस्त कार्यालयों के

सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करने साथ ही उस व्यक्ति विशेष को उसके द्वारा दिये योगदान के महत्व को बताने के उद्देश्य से विदाई समारोह का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन को सेण्ट पॉल्स विद्यालय में रंगारंग कार्यक्रमों के द्वारा श्रीमती रोजम्मा जॉर्ज जी को विदाई देने के उद्देश्य से दिनांक 14.05.22 को विद्यालय के वर्तमान प्रधानाचार्य जी, प्रधानाध्यापिका जी व समस्त भूतपूर्व प्रधानाचार्य व प्रबन्धक उपस्थित रहे।

5. छात्र परिषद समिति संगठन चुनाव (14.07.22)

देश, राष्ट्र, विद्यालय, घर, परिवार किसी भी क्षेत्र में जब तक अनुशासन, नियम कानून न हो तो वहाँ की हर व्यवस्था अदर्शनीय, दयनीय होकर पतनता की ओर अग्रसर होने लगती है। अतः विद्यालय किसी भी प्रकार से इसका शिकार न बने व किसी भी छात्र के साथ कोई दुर्घटना–अनहोनी न घटे तथा विद्यालय का हर कार्य सुचारू रूप से चले। इस बात को संज्ञान में रखते हुए विद्यालय में समस्त छात्रों के सहमति चुनाव द्वारा छात्र परिषद समिति का चुनाव दिनांक 1.07.22 को विद्यालय में सम्पन्न कराया गया।

6. अलंकरण समारोह (02.08.22)

छात्रों को चुनाव के उपरान्त चुने गये पद पर कार्यरत रहने के लिए व अपने कर्त्तव्यों को भली–भाँति निभाने के लिए पद सम्बन्धी प्रतिज्ञा कराकर कार्यभार सौंपा गया। सभी छात्र परिषद के गठित छात्रों को मुख्य अतिथि श्रद्धेय फादर वर्गीस जी व प्रधानाचार्य जी द्वारा शपथ ग्रहण करायी गयी साथ ही प्रधानाध्यापिका, वरिष्ठ शिक्षकों द्वारा बैच व पद चिन्ह पट्टी पहनाकर छात्रों का उत्साहवर्धन किया गया।

7. नृत्य समारोह (टूण्डला) आयोजन (13.08.22)

छात्रों के भीतर छिपी हुई प्रतिभा को बाहर निकालकर निखारने के लिए भक्ति व देश प्रेम के प्रति भारतीय जांबाजों को याद करने, नृत्य कला के माध्यम से कई विद्यालयों के सहयोग से इस प्रतियोगित को श्रद्धेय फादर जिप्सन पालाटी जी के निर्देशन द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस प्रतियोगिता के परिणाम स्वरूप “सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज” ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। उनकी प्रस्तुति अद्भुत व सराहनीय भी रही। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में विद्यालय की शिक्षिका मीनू लाजरस का भरसक प्रयास व विशेष योगदान रहा।

8. गायन व परेड प्रतियोगिता (15.08.22)

‘आजादी का अमृत महोत्सव’ मनाने व इस शुभावसर पर देश के प्रति भक्ति भाव को शब्दों के स्वरों के माध्यम से देशभक्ति गानों का आयोजन किया गया, अनेक रंगारंग कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया। तिरंगे को सलामी देने के लिए ‘छात्र समूह परेड’ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेन्ट अल्फोन्सा विद्यालय की प्रधानाचार्या सिस्टर अल्फो मुख्य अतिथि व निर्णायकगण के रूप में उपस्थित रहीं।

9. विद्यालय में आर्चविशप स्वामी जी का स्वागत (17.08.22)

जैसे गंगा–यमुना की पावन धारा पवित्र करती भूमि को, वैसे ही विशप स्वामी जी के चरण–कमलों से विद्यालय की धरा को पवित्र करने व आपके अनमोल अमृत तुल्य वचनों से समस्त विद्यालय के शिक्षक–छात्र गणों, सहायक कर्मचारियों का ज्ञानवर्धन करके, स्वयं को कृतार्थ करने, नई–नई सीख, ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से दिनांक 17.08.22 को विद्यालय में विशप स्वामी जी का अत्यधिक हर्षोल्लास के साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य व प्रधानाध्यापिका सिस्टर जी की अगुवायी में स्वागत सत्कार किया गया।

10. कैरियर (पद) जागरूकता कार्यक्रम (20.08.22)

छात्रों को उनके करियर से सम्बन्धित सही व उचित जानकारी प्रदान कराने, उनके सही लक्ष्य के चुनाव को दिशा देने, उनके भविष्य को सवारने व सहयोग प्रदान करने के साथ ही एक कामयाब मानव बनाने के उद्देश्य से विद्यालय में ‘करियर जागरूकता’ कार्यक्रम का आयोजन कराया गया।

11. क्विज (तार्किक प्रश्नोत्तर) प्रतियोगिता (30.08.22)

छात्रों को बौद्धिक परीक्षण करने, तर्क–वितर्क करने में दक्षता को निखारने के उद्देश्य को मध्य नजर रखते हुए क्विज प्रतियोगिता का दिनांक 30.08.22 को विद्यालय में आयोजन किया गया।

12. स्मृति–विकास कार्यक्रम (02.09.22)

छात्रों के भीतर बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने अथवा स्मरण शक्ति को किस प्रकार प्रबलता प्रदान की जा सकती है। इस विषय सम्बन्धित नियमों को साझा करने के लिए विशेषज्ञ श्री आशीष शर्मा द्वारा ‘स्मृति विकास’ कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय में 02.09.22 को कराया गया जोकि काफी सराहनीय रहा।

13. शिक्षक दिवस (05.09.22)

डॉ॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के योगदानों व आपके सराहनीय कार्यों के कारण पूरा देश आपको स्मरण करे तथा सभी भारतवासी विशेषकर विद्याथ्री शिक्षक के महत्व को समझें और यह जाने कि ‘गुरु बिन ज्ञान कहाँ से आता?’ गुरु ही परब्रह्मा ईश्वर, सृष्टी रचयिता अथवा भाग्य विधाता है। अतः इस पावन दिन पर समस्त शिक्षकों को आभार प्रकट करने, सम्मानित करने की दृष्टि से विद्यालय में दिनांक 05.09.22 को शिक्षक दिवस का रंगारंग कार्यक्रम कराया गया। सभी छात्रों की प्रस्तुति इसमें मनमोहक रही।

14. कला प्रतियोगिता (10.09.22)

छात्रों के भीतर छिपी अर्न्तमुखी कला को निखारने, देश की प्रगति, स्थिति, दशा के नये–पुराने आयामों को चित्रारेख में रंगों के माध्यम से प्रस्तुत करने, अपनी–अपनी भावनाओं को चित्रकला के माध्यम से प्रदर्शित करने के उद्देश्य से विद्यालय

में दिनांक 10.09.22 को कला प्रतियोगिता का भव्य आयोजन कराया गया।

15. हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता (14.09.22)

'हिन्दी दिवस' पर 'हिन्दी' के महत्व को परिभाषित करने के लिए, व अपने–अपने विचारों को शब्दों के मोतियों में पिरोकर व्यक्त करने के उद्देश्य से निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का दिनांक 14.09.22 को आयोजन कराया गया, जिसमें जूनियर वर्ग हेतु प्रकृति का संदेश एवं सीनियर वर्ग से देश की समस्याएँ विकास में बाधक विषय मुख्य रहे।

16. स्किट (प्रहसन) प्रतियोगिता (23.09.22 टूण्डला)

देश में पनपती बुराईयों जैसे जाति–पाति की भावना, ऊँच–नीच, आदि के मतभेदों को नाटकीय रूप प्रदर्शित करने तथा इन सभी बुराईयों का अन्त कर भाई–चारे की भावना से ओत–प्रोत 'स्किट' प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 23.09.22 को टूण्डला स्थित क्राइस्ट द किंग इण्टर कॉलेज में 'फादर जिप्सन पालाटी जी' के निर्देशानुसार कराया गया। जिसके परिणाम स्वरूप 'सेण्ट पॉल्स विद्यालय' के प्रतिभागी छात्र समूह ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

17. प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी जी का जन्मोत्सव

विद्यालय को अपने मार्ग निर्देशन के द्वारा उन्नति के शिखर पर अग्रसर करने व सभी के दिलों पर राज करने वाली, मधुरता के स्वरों से भरपूर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी जी के शुभ जन्मोत्सव पर आपके अच्छे स्वास्थ्य की, आपके पथ की राहें आसान करने की मंगलकामनाएँ करते हुए आपको सहर्ष हृदय–धरातल से बधाई देने के उपलक्ष्य से विद्यालय में दिनांक 11.11.22 को मनभावना रंगारंग कार्यक्रमों को प्रस्तुत करके जन्मोत्सव मनाया गया। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य जी के मार्ग निर्देशन से सफल रहा।

18. अर्द्ध वार्षिक परीक्षा (26.09.22)

छः महीने छात्रों के विद्यालय में कक्षा में उपस्थित होकर विद्या ग्रहण करने के उपरान्त छात्रों को निरीक्षण करने कि छात्रों ने कितना ज्ञान अर्जित किया, छात्रों का आई०क्यू० स्तर किस दर तक स्थित है व छात्रों के मौखिक, लिखित रूप से ज्ञान अर्जित करने की दशा को स्पष्ट आयाम देने के उद्देश्य से अर्द्ध वार्षिक परीक्षा करायी गयी। इसमें परीक्षा का क्रम मौखिक, लिखित व प्रयोगात्मक रहा।

19. गाँधी जयन्ती (भाषण प्रतियोगिता) – 02.10.22

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की पावन जयन्ती पर विद्यालय के प्रतिभागी छात्रों द्वारा गाँधी जी के व्यक्तित्व व उनके जीवन से सम्बन्धित घटनाओं, उनके आदर्शों तथा योगदान पर भाषण प्रतियोगिता का दिनांक 02.10.22 को आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेन्ट पीटर्स कॉलेज के उप प्रधानाचार्य श्रद्धेय फादर सजुन व फादर जेमिलटन व निर्णायक मण्डल के रूप में उपस्थित रहे।

20. रेन्बो इण्टर स्कूल प्रतियोगिता – 08.11.22

सेण्ट पीटर्स कॉलेज में 'रेन्बो' प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। जिसमें 'सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज' के साथ–साथ अन्य विद्यालयों ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया तथा 'सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज' के होनहार प्रतिभागी छात्रों ने 'समूह–गान', 'स्कूल एकल–गान' व 'समूह–नृत्य' में भाग लेकर, 'समूह–नृत्य' में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को पुनः गौरवान्वित किया।

21. बाल–दिवस समारोह – 14.11.22

पं० जवाहर लाल नेहरू जो कि स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री को स्मरण करने व आपके योगदान व आपकी प्रेरणा, उद्देश्य अथवा लक्ष्य को छात्रों के साथ साझा करने व छात्रों को 'बालदिवस' के महत्व को समझाने, छात्रों को उनके कर्त्तव्यों को याद दिलाने 'कि भारत का प्रत्येक बालक देश का भावी नेता होगा' इस दृष्टिकोण को मध्यनजर रखते हुए दिनांक 14.11.22 को विद्यालय में 'बालदिवस' समारोह मनाया गया तथा विद्यालय के शिक्षणगणों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

22. प्रदर्शनी (19.11.22)

छात्रों के भीतर छिपी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से विद्यालय में दिनांक 19.11.22 को प्रत्येक विषय से सम्बन्धित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्रों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

23. प्राथमिक छात्र दौड़ प्रतियोगिता (26.11.22)

छोटे नन्हें–मुन्ने छात्रों के शारीरिक विकास को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में प्राथमिक वर्ग के छात्रों के मध्य दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया साथ ही कक्षाध्यापिकाओं द्वारा सभी का उत्साहवर्धन किया गया।

24. क्रिसमस महोत्सव (23.12.22)

23.12.2022 को प्रभु ईसा के जन्मोत्सव पर क्रिसमस का भव्य आयोजन किया गया। मान्यताओं के अनुसार प्रभु ईसा इस पृथ्वी पर बुराइयों को दूर कर सभी के हृदय में ज्ञानमय प्रकाश, हर्ष, प्रेम, स्नेह भरने के लिए जन्म लेते हैं इसी विश्वास को जगाने के उद्देश्य से विद्यालय में प्रभु येसु का जन्मोत्सव विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रभु येसु के जन्म का वर्णन नाट्य रूपान्तरण करके प्रस्तुत किया गया। साथ ही इस शुभावसर पर प्रधानाचार्य जी द्वारा प्रभु येसु के जीवन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण व रूचिकर तथ्यों को विद्यालय के समस्त शिक्षक व छात्रों तथा कर्मचारी वर्गों के मध्य साझा किया गया।

25. गणन्तत्र दिवस समारोह (26.01.23)

दिनांक 26.01.23 को विद्यालय में 74वां गणन्तत्र दिवस के उपलक्ष्य में प्रधानाचार्य जी द्वारा विद्यालय की प्रधानाध्यापिका, समस्त शिक्षकगण कर्मचारी वर्ग व छात्रों की उपस्थति में ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात निष्कलंक माता का महागिरजाघर के प्रांगण में समस्त

कैथलिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, प्रधानाध्यापिकाओं समस्त शिक्षकगणों, अभिभावकों व छात्रों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि अतिश्रद्धेय डॉ. आल्बर्ट डिसूजा द्वारा ध्वजारोहण किया गया व समस्त विद्यालयों के छात्रों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को परेड के माध्यम से सलामी दी गयी साथ ही विभिन्न राज्यों से सम्बन्धित नृत्यों के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गयी जो कि बहुत ही सराहनीय व आकर्षक रही।

अभिभावक प्रतिक्रिया

सर्वप्रथम मैं पिता परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ कि उनकी अनुकम्पा से मेरे बालक को इस विद्यालय में पढ़ने का सुअवसर प्राप्त हुआ। इस विद्यालय में मैंने स्वयं प्रत्यक्ष रूप से व अप्रत्यक्ष रूप से अवलोकन किया और अवलोकन के उपरान्त पाया कि इस विद्यालय का वातावरण पढ़ाई के अनुकूल है। यहाँ समय–समय पर छात्रों के भीतर छिपी हुई प्रतिभाओं को प्रतियोगिताओं खेलकूद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से निखारने का भरसक प्रयास ही नहीं किया जाता है बल्कि प्रदर्शनी द्वारा प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत भी किया जाता है। छात्रों की समस्याओं के समाधान हेतु व उनकी मनोदशा को समझने–समझाने के लिए शिक्षक–अभिभावकों की सभा का भी प्रबन्ध किया जाता है। विद्यालय में छोटे बच्चों के लिए झूले व मिनी पार्क की व्यवस्था भी की गयी है। अतः मैं इन सबके लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य जी का आभार प्रकट करता हूँ जिनके संरक्षण में विद्यालय में सभी छात्रों को समस्त प्रकार की सुविधा प्रदान की जाती है। अन्त में मैं ईश्वर से यही प्रार्थना करता हूँ। सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज हमेशा उन्नति की ओर अग्रसर रहे।
धन्यवाद

सुफयान (अभिभावक)

यू. पी. बोर्ड में मिशनरी स्कूलों का पढाई में योगदान

हमारे देश भारत वर्ष में पुरातन एवं सनातन पढ़ाने की गुरुकुल व्यवस्था थी, जिसके कारण भारत विश्व गुरु कहलाता था और दूसरे देशों के लोग भारत में शिक्षा लेने के लिए आते थे।

मिशनरी स्कूलों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में हमारे देश भारत में अनुकरणीय कार्य किया जा रहा है, जिसके कारण मिशनरी स्कूलों ने शिक्षा क्षेत्र में अग्रिम स्थान पाया है। हर अभिभावक की यही इच्छा होती है कि मेरा बच्चा मिशनरी के स्कूल में अध्ययन करें लेकिन हर अभिभावक की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ न होने के कारण अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ाना सम्भव नहीं होता है। इसी परेशानी को ध्यान में रखकर हिन्दी माध्यम से सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाया जा रहा है। गरीब व मध्यम श्रेणी के अभिभावक अपने बच्चों का पढ़ाकर अपने सपनों को पूरा कर रहे हैं।

सेन्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज के शिक्षक व स्टाफ काफी मिलनसार व व्यवहारिक हैं, उनका बच्चों के प्रति व्यवहार अभिभावक की तरह ही है जिससे गुरु व शिष्य के सम्बन्ध काफी मधुर हैं।

शैलेन्द्र बंसल (अभिभावक)

गुरु वचन
ईश्वर का रूप है 'गुरु'

बिखरा हुआ ख्वाब था मेरा कभी,
शरण देकर सपनों का महल सजा गया 'गुरु'
हारकर झुके हुए पंख थे मेरे कभी,
हवा देकर आसमान पर पहुँचा गया 'गुरु'
भँवर में खड़े होकर निहारा था मैंने कभी,
तमन्नाओं भरी कश्ती पर बैठा गया 'गुरु'
रास्ते का पत्थर नसीब था मेरा कभी,
मुकद्दर का सिकन्दर मुझे बना गया 'गुरु'
अमावस्या भरा जीवन था मेरा कभी,
पूर्णिमा का चाँद बना गया 'गुरु'
काँटों भरा पथ था मेरा कभी,
राहों में उन्नति के फूल मेरे बिछा गया 'गुरु'
दीपों भरा दिल था मेरा उदास कभी,
उमंगों भरी ज्योत दिल में जला गया 'खुदा'
उदासी भरा वक्त था मेरा कभी,
खुशियों की बारिश में मुझे भिगा गया 'गुरु'
रिश्ता नहीं कोई उससे मेरा कभी,
इन्सानियत का पाठ व आदर्श मुझे सिखा गया 'गुरु'
देखा नहीं मैंने ईश्वर को कभी,
अपनी छवी में ईश्वर का रूप दिखा गया 'गुरु'

चंचल उपाध्याय (अध्यापिका)

बच्चों का कर्त्तव्य

प्यारे बच्चों हम सभी का यह प्रथम कर्त्तव्य है कि जीवन में चाहे हम कितने भी बड़े व्यक्ति बन जाए मगर अपने माँ बाप को कभी भूलना नहीं, उनकी तपस्या लगन और बलिदान को कभी नीचा मत दिखाना। आज यदि हम खुशी से जीवन बिता रहे हैं तो इसके पीछे हमारे माता–पिता के सालों की खुशियों का अर्पण है। माता–पिता हमारे प्रथम शिक्षक होते हैं। माता–पिता एक बच्चे को बोलना, चलना तथा उन्हें सभी संस्कार सिखाते हैं हमें अपने माता–पिता द्वारा बताये गये रास्ते पर चलना चाहिए और उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए।

श्रीमती पारुल शर्मा (अध्यापिका I-A)

शिक्षा एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो हर किसी के जीवन में बहुत उपयोगी है शिक्षा वह है जो हमें पृथ्वी पर अन्य जीवित प्राणियों से अलग करती है। यह मनुष्य को सशक्त बनाती है और उन्हें जीवन की चुनौतियों का कुशलता से सामना करने के लिए तैयार करती है। शिक्षित होने से आप मानसिक और सामाजिक दोनों तरह से जागरुक होते हैं और लोगों के बीच सम्मान बढ़ता है। एक व्यक्ति जितना अधिक शिक्षित होता है जीवन में उसकी सफलता की संभावना उतनी ही अधिक होती है। शिक्षा का सर्वव्यापक उद्देश्य व्यक्ति में जीवन की विभिन्न कलाओं को विकसित कर उसे उपयोगी जीवन जीना सिखाना है।

श्रीमती ममता (अध्यापिका)

भारतीय समाज तेजी से बदल रहा है। परिवर्तन दुनिया का आईना है इसलिए हर दूसरी पीढ़ी बदली हुई नजर आ रही है। दो पीढ़ियों के सोचने समझने का नजरिया वैचारिक दृष्टिकोण और रहन–सहन सब समाज में साफ दिखाई देता है। हमारा समाज नई–नई तकनीक तो अपना रहा है साथ ही बहुत पुरानी चीजें छोड़ भी रहा है जिसमें सबसे ज्यादा ह्रास संस्कारों का हो रहा है आज की युवा पीढ़ी संस्कार पीछे छोड़ती जा रही है जिस वजह से उनमें नैतिक मूल्यों की कमी होती जा रही है। अतः माता–पिता और शिक्षकों का प्रमुख कर्त्तव्य है कि शिक्षा के साथ–साथ छात्रों में नैतिक मूल्यों एवं मानवीय गुणों का संचार करें जिससे वह भावी जीवन में उच्च कोटि के जीवन मूल्यों को प्राप्त कर सके।

कायनात मिर्जा (अध्यापिका)

नई परंपरा का शुभारम्भ

व्यायामात् लभते, स्वास्थ्यं दीर्घायुष्यं, बलं, सुखं।
आरोग्यं परमं भाग्य स्वास्थ्यं सर्वार्थसाधनम्।।
अर्थात्

व्यायाम से लंबी आयु, बल और सुख की प्राप्ति होती है। निरोगी होना परम भाग्य है और स्वास्थ्य से ही अन्य सभी कार्य सिद्ध होते हैं।

इसी उद्देश्य के साथ समाज की उन्नति के लिए प्रयासरत् सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज में दिनांक 14.10.2022 को Linus Lazarus Memorial Football Tournament के रूप में एक नई परंपरा का आगाज किया गया।

Linus Lazarus Memorial Football Tournament विद्यालय के अंतिम तथा सबसे लंबा कार्यकाल (वर्ष 1978 से 1997) तक पूर्ण करने वाले हैडमास्टर लिनुस लाजरस जी की स्मृति में आयोजित किया गया उनका विद्यालय की उन्नति में अकथनीय और अविस्मरणीय योगदान रहा है इस टूर्नामेंट में आगरा फिरोजाबाद, टूण्डला, एत्मादपुर से 17 विद्यालय की टीमों ने भाग लिया।

यह टूर्नामेंट तीन दिवसीय 14, 15, 16 अक्टूबर तक रहा। जिसमें प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल टीम विजेता रही तथा होली पब्लिक स्कूल टीम रनरअप रही। विजयी टीम को ₹10,100/– का पुरस्कार व Ever Rolling Trophy तथा रनरअप टीम को ₹5,100/– की नकद राशि व ट्रॉफी प्रदान की गई।

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रद्धेय फादर सजी पालामट्टम जी के मार्गदर्शन में, प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी जी के सहयोग से, विद्यालय के खेल एवं व्यायाम शिक्षक श्री डैरिक पीटर व शिक्षक टीम द्वारा किया गया।

शिक्षाप्रद कहानियाँ

अपना हुनर

एक जंगल में मधुमक्खी रहा करती थी। वह गुलाब के बगीचे में रस लेने गई तथा रस लेकर शहद बनाने अपने छत्ते पर गई। छत्ते में शहद बनाकर वह फूलों पर रस लेने चली गई तथा पीछे से इंसान ने उसका छत्ता तोड़ा व शहद बेचने अपने शहर ले गया। वहाँ बैठी एक तितली ने सब कुछ देख लिया तथा मधुमक्खी के वापस आने पर उसे बताया– "इंसान तुम्हारा शहद चुरा कर भाग गया अब तुम क्या करोगी।" मधुमक्खी बोलती है– "कोई बात नहीं, मैं फिर बना लूँगी।" वह तितली बोलती है– "तुम इतनी मेहनत करती हो फिर भी वह तुम्हारा शहद चुरा कर ले जाते हैं" मधुमक्खी बड़ी मीठी बात बोलती है– "वह मेरा शहद चुरा सकते हैं परन्तु मेरा शहद बनाने का तरीका नहीं।"

कुछ इस प्रकार ही अपनी जिंदगी है आप मेहनत करो लोग आपके गुणों की नकल करेंगे परंतु आप जैसे गुण नहीं ले पायेंगें।

Harsh Palwar X B

दर्द

एक बार एक 9 वर्ष के बच्चे से भूलवश एक पेड़ की मुख्य शाखा (टहनी) टूट जाती है उस बच्चे को बहुत दुःख होता है और रात में पेड़ की भयंकर पीड़ा का आत्मिक रूप से अनुभव करता है जैसे उसकी हाथ की हड्डी टूट गई हो। दुःख के कारण वह रात भर सो नहीं पाता, जब सुबह होती है, तब वह दुःखी मन से उस वृक्ष के पास जाता है। वृक्ष की टहनी टूटने से उसे ऐसा प्रतीत होता है जैसे वृक्ष रातभर रोता रहा हो, वह बच्चा वृक्ष के दुःख को हृदय में अनुभव करते हुए रुमाल व टेप से उस वृक्ष की टहनी को बाँध देता है। उसे ऐसा करने के पश्चात् अब अपने हाथ में पीड़ा का अनुभव नहीं होता है। उस पेड़ की टहनी भी कुछ समय पश्चात् पूर्ववत् हो जाती है।

वृक्ष भी हमारी तरह साँस लेते हैं, व हमें साँस लेने के लिए ऑक्सीजन देते हैं, ऑक्सीजन ही हमारी प्राण वायु है।

किसी ने सही कहा है– God is Nature, Nature is God.

हमें हमेशा वृक्षों की सजीव व जीवित समझते हुए हरे वृक्षों को कोई नुकसान नही पहुँचाना चाहिए।

Prayrit Sharma VIII B

काव्य संग्रह

देश की समस्याएँ

ये चिंता नहीं चिताएँ हैं,
देश में अनेक समस्याएँ हैं,
कहीं भ्रष्टाचार तो कहीं बेरोजगारी छाई है
कहीं किसान तो,
कहीं महिलाओं के जीवन पर बात आई है।
जातिवाद और धर्म के कारण करते आपस में लड़ाई है,
सभी भूल गये कि, हम सब आपस में भाई–भाई हैं।
मकान बनाने के लिए कर दी वनों की कटाई है
और फिर प्रदूषण तथा गंदगी भी हमने ही फैलाई है।
ये कैसे भारत का निर्माण है।
यह सब चिंताएँ नहीं चिताएँ हैं।
देश में अनेक समस्याएँ हैं।

पीयूष कुशवाह 11 ए

पेड़ की कविता

मैं हूँ पेड़ मुझे मत काटो।
टुकड़े–टुकड़े में मुझे मत बाँटों।
दर्द मुझे भी होता है।
मन मेरा भी रोता है।
मैं हूँ मित्र तुम्हारा।
सखा हूँ सबसे प्यारा।
मेरे फल में खुद नहीं खाता।
सब तुमको ही दे जाता।
जहरीली गैस भी पी जाता हूँ।
शुद्ध हवा तुम तक पहुँचाता हूँ।
सूरज का भी ताप सहूँ।
मैं हूँ जीवन का आधार।
फिर भी तुम मुझ पर करते प्रहार।
सुनो बात तुम कान लगा कर।
वृक्षों का करना सम्मान।
मैं हूँ जीवन का आधार।

Ritik Kajar VI B

मेरा यह सेण्ट पॉल्स स्कूल

मेरा यह सेण्ट पॉल्स स्कूल
शिक्षा की पहचान स्कूल
सबसे प्यारा सबसे न्यारा स्कूल
आगरा की मुस्कान स्कूल
यह है मेरा सेण्ट पॉल्स स्कूल।
हम सब इसके प्यारे बच्चे
अनुशासन के पूरे अच्छे
शिक्षक इसके हमको प्यारे
सत्य अहिंसा के रखवाले
यह है मेरा सेण्ट पॉल्स स्कूल
शिक्षक का वरदान स्कूल
मिलकर हम सब शीश झुकाएँ
बुरी नजर से इसे बचायें
उच्चकोटि का यह स्कूल
मेरा यह सेण्ट पॉल्स स्कूल।

मो. विलाल 1 बी

शिक्षा का महत्व

बहुत जरूरी होती शिक्षा,
सारे अवगुण धोती शिक्षा,
चाहे जितना पढ़ लें हम पर,
कभी न होती पूरी शिक्षा,
शिक्षा पाकर ही बनते हैं,
नेता, अफसर, शिक्षक,
वैज्ञानिक, मंत्री, व्यापारी,
या साधारण रक्षक
कर्त्तव्यों का बोध कराती,
अधिकारों का ज्ञान
शिक्षा से ही मिल सकता है,
सर्वोपरि सम्मान,
बुद्धिहीन को बुद्धि देती,
अज्ञानी को ज्ञान
शिक्षा से ही बन सकता है,
भारत देश महान।

Karan Rathore VII A

इंसान

क्यों है अकेला आज का इंसान
जबकि हर ओर इंसान ही इंसान
सिर्फ खुद की फिक्र करता इंसान
इसलिए अकेला ही रहता इंसान
स्वयं जीवनयापन करने में व्यस्त
शायद इसलिए नहीं रह पाता मस्त
चिंताओं के मध्य में रहता हर वक्त
इंसान बनने में तो लगेगा अभी वक्त।
कितना दुर्भाग्यशाली आज का इंसान

खुद को इंसान नहीं
कह सकता इंसान
इंसानियत के कार्य का
न आदि इंसान
इसलिए अकेलेपन का
शिकार इंसान।

केवल बात बनाना है सबसे आसान
मुश्किल है तो बनने में केवल इंसान
क्यों न अपनी सोच को बदले इंसान
वास्तविक सुखी जीवन जीए इंसान।

विचारों अभी भी है बहुत वक्त
अकेले ही रहोगे वरना हर वक्त
चलो मन में इंसानियत जगा ले
दूसरों के गुणों को मिलकर गा ले।

थोड़ा काम भी आ जाए किसी के
थोड़ा अच्छा भी सुन ले किसी से
थोड़े दुःख में थोड़ा सुख मिलाएँ
थोड़ी हानि में थोड़ा लाभ मिलाएँ।

तब होगा एक ऐसा मिश्रण तैयार
जिसमें होगा भावनापूर्ण स्नेह–प्यार
ऐसे जाग्रत होगी इंसानियत मन में
चमक स्फूर्ति से भरी दौड़ेगी मन में।

संतुष्टिपूर्ण होगा हृदय में अहसास
प्रसन्नचित बनेगी हर एक साँस
हर दिशा, हर कोई होगा अपना
चलो! सच कर दे ये सुंदर सपना।

कैफ 12 बी

मेरा अनुभव

19 नवम्बर 2022 को सेण्ट पॉल्स इण्टर कॉलेज में हो चुकी प्रदर्शनी के लिए मुझे क्रिप्टो करेन्सी जैसा प्रचलित विषय मिला था। जिसके बारे में मुझे कुछ खास जानकारी नहीं थी जब मैंने इसे अच्छी तरह से जाना तो मैंने देखा कि क्रिप्टोकरेंसी ने बहुत ही कम समय में डिजिटल मार्केट में अपनी बहुत अच्छी पहचान बना ली है। आज किसी भी देश की सरकार या संस्था इसे चाहकर भी नजरअंदाज नहीं कर सकती क्योंकि यह किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है यह क्रिप्टो करेन्सी किसी भी सरकार या संस्था के अधिकार में नहीं है जिस कारणवश इसके मूल्य में हर पल उतार चढ़ाव देखने को मिलता है। लॉकडाउन के समय जब यह काफी प्रचलित हुआ तो इसकी माँग में अचानक से काफी वृद्धि देखने को मिली जिसके कारण बिटकॉइन जैसी क्रिप्टो करेन्सी का मूल्य 30 लाख से ऊपर चला गया इसी के साथ लोगों का इस पर विश्वास बढ़ता जा रहा है। परंतु इसके कई नुकसान भी देखने मिलते हैं हाल ही में एक किडनैपर द्वारा किडनैप किए बच्चे के पिता से फिरौती में बिटकॉइन की माँग की गई और साथ ही इसे कई अवैध कामों में उपयोग किया जाता है इसलिए कोई भी सरकार वैध नही करती है। जब तक कोई संस्था इसे अपने अधिकार में नहीं ले लेती तब तक यह बहुत व्यापक है। परन्तु हाल ही में भारतीय सरकार द्वारा निर्मित पहली क्रिप्टो करेन्सी ई–रूपी लॉन्च हो चुका है। जो पूर्ण रुप से भारतीय सरकार के अधिकार में है और आने वाले कुछ महीनों में यह हमारे निजी लेन–देनों में प्रयोग होने वाली है। अभी सरकार द्वारा इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। परन्तु मेरे जैसे कई भारतीय इसके लिए जिज्ञासु है।

करन कुमार 11 बी

जरा हँस भी लिया करें

गप्पू – डॉक्टर अंकल क्या आप बिना दर्द के दाँत निकाल सकते है।

डॉक्टर – नहीं बेटा
गप्पू – मैं निकाल सकता हूँ।
डॉक्टर – कैसे?
गप्पू – हीं, हीं, हीं

Shashant Kain V B

अगर गिलास टूटने के बाद भी
घर में खामोशी है तो
समझ लो कि गिलास
मम्मी से टूटा है!
अनिकेत VI A

अध्यापक – किसी ऐसी जगह का नाम बताओ जहाँ पर बहुत सारे लोग हों, फिर भी तुम अकेला महसूस करते हो।
छात्र – परीक्षा कक्ष
Abhinav Kumar VIII B

मास्टर जी – भारत की सबसे खतरनाक नदी कौन सी है?
राजू – भावना
मास्टर जी (चौंककर) – वो कैसे?
राजू – क्योंकि सब इसमें बह जाते हैं।
Krishna Bhillwara VI A

टीचर – बादाम खाने से क्या होता है?
स्टूडेंट – बादाम खत्म हो जायेंगे।

टीचर – डेट और तारीख में क्या अंतर है?
स्टूडेंट – सर, डेट पर तो लड़के जाते हैं और तारीख पर वकील जाते हैं।

एक टीचर बच्चों को वर्तमान काल और भविष्यकाल सिखा रहे थे

टीचर – बच्चा चोरी करता है। इसका भविष्यकाल बताओ, राजू।

राजू – बच्चा जेल में होगा।

Abdul

टीचर – एक दिन ऐसा आयेगा जब पृथ्वी पर पानी नहीं रहेगा, जीव जंतु नष्ट हो जायेंगे पृथ्वी तबाह हो जायेगी।

पप्पू – सर तो क्या उस दिन ट्यूशन आना है?..........

Kunal Mahour V B

कड़वा सच

ब्लड बैंक
ही एक ऐसी जगह है,
जहाँ पर कोई नहीं पूछता कि
खून हिन्दू का है या मुसलमान का
या ईसाई का
कौन सी जाति का है
इंसानियत मानवता सिर्फ
वहीं पर नजर आती है।

किस्मत

इंसान सब कुछ कॉपी कर सकता है
लेकिन किस्मत और नसीब नहीं......।

सच्चाई

कोई अगर आपके अच्छे कार्य पर संदेह करता है,
तो करने देना क्योंकि संदेह सदा सोने की शुद्धता पर किया जाता है। कोयले की कालिख पर नहीं।

प्रतीक राठौर 11 ए

सुविचार

1. आप कुछ भी करें कोई मायने नहीं रखता,
   लेकिन आप उसे किस मन से कर रहे हैं,
   यह बहुत मायने रखता है।
2. व्यक्ति अपने कर्मों से महान बनता है
   ना कि अपने जन्म से।
3. कमजोर शरीर के साथ तो आप चल सकते हैं,
   लेकिन कमजोर हौंसले के साथ नहीं।
4. सफल होना चाहते हो तो फल की नहीं
   अपने कर्म की चिंता करनी होगी।
5. कोई भी काम कठिन हो सकता है
   लेकिन असंभव नहीं।
6. दिमाग को खुला दिमाग
   बना देना ही शिक्षा का उद्देश्य है।

Agam Singh X B

बोले मातृभाषा

क्रिकेट – लकड़ पट्टम गोलगट्टम दे–दना दन प्रतियोगिता
फुटबॉल – पादम् गेदम् बग्घम दे–दना दन प्रतियोगिता
चाय – दुग्ध जल मिश्रित शर्करा युक्त पर्वतीय बूटी
कम्प्यूटर – संगणक
लैपटॉप – छोटा संगणक
कैमरा – प्रतिबिंब पेटी
पासवर्ड – कूट शब्द
बैंक – अधिकोष
फर्नीचर – उपस्कर
बट्टा – उपहार
डेबिट – समाकलन
क्रेडिट – विकलन
मोबाइल – चलत दूरभाष यंत्र
टी॰वी॰ – दूरदर्शन
रेफ्रिजरेटर – शीतक यंत्र
वाशिंग मशीन – धावन यंत्र
स्कूटर – द्वि पहिया वाहन
प्लंबर – नल साज
इलैक्ट्रीशियन – विद्युत कर्मी

PRINCIPAL

P - Perfect and all-rounder
R - Responsible in discharging duties
I - Intelligent
N - Never does anything wrong
C - Caring for one and all
I - Ideal example of diligence
P - Pays attention to all round education
A - Alert and keen to maintain discipline
L - Lovely personality

Abhinav Kumar VIII A

हिन्दी निबन्ध
प्रकृति का संदेश (प्रथम पुरस्कार)

प्रकृति कहती है कि अंधाधुन मेरा दोहन मत करो, नदियों को प्रदूषित मत करो, ना ही उसमें कचरा और गंदगी द्वारा

उसकी गहराईयों को कम मत करते रहो। मुझे रिकवरी का भी मौका दो नहीं तो बाढ़, सूखा गर्मी, आंधी, तूफान जैसे गंभीर परिणाम तुम्हें भुगतने पड़ेगे। प्रकृति से मिलने वाली वस्तुएँ कुछ इस प्रकार है–

पेड़ों के माध्यम से – हम पुराने समय से ही वृक्षों की पूजा करते चले आ रहे हैं। वृक्षों से हमें अनगिनत सामग्री प्राप्त होती है। वनों से हमें औषधियाँ प्राप्त होती हैं। जिससे कई रोगों के उपचार के लिए आयुर्वेदिक दवाईयाँ मिलती हैं।

नदियों के माध्यम से – मनुष्य के जीवन में जल की हर समय आवश्यकता होती है, जो हमें नदियों से प्राप्त होता है। बिना जल के व्यक्ति एक पल भी जीवित नहीं रहेगा। जल प्राप्त करने के अनेक साधन हैं। जल हमारे जीवन में प्रकृति से मिला एक उपहार है।

धरती के माध्यम से – धरती हमारी माँ के समान है। वह पूरी तरह हमारा लालन–पालन करती है तथा बदले में हमसे कुछ भी नहीं माँगती है और बिना प्रकृति के धरती पर जीवन सम्भव नहीं है।

वर्षा के माध्यम से – प्रकृति हमें पानी प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग अनेक चीजों का निर्माण करने के लिए किया जाता हैं।

हवा में माध्यम में – हमारे चारों ओर हम जो कुछ भी सजीव व निर्जीव अथवा प्राकृतिक वस्तुएँ देखते हैं वह प्रकृति का ही एक हिस्सा है। प्रकृति हमें अनेक वस्तुएँ प्रदान करती है। जो मनुष्य के जीवन में अति आवश्यक हैं। जैसे साँस लेने के लिए वायु (ऑक्सीजन) पीने के लिए पानी प्रदान करती है।

कहने का अर्थ यह है कि प्रकृति हमें हर एक तरीके से लाभ पहुँचाती है और बदले में कुछ नहीं लेती और दूसरी तरफ स्वार्थी हम मानव हैं, जो सब कुछ मुफ्त में अर्जित करने के बाद भी अपने स्वार्थ के लिए हम प्रकृति को नुकसान पहुँचाते हैं। कई बार जान–बूझकर तो कई बार भूलवश में ही सही मगर हम उन्हें अंजाम दे ही देते हैं। अगर हम सुखी जीवन जीना चाहते हैं, तो हम प्रकृति की सुन्दरता को बिगाड़ने के बजाए उसे सुरक्षित रखने में अपना पूरा योगदान दें। एक तरह से यूँ कहें कि ईश्वर द्वारा प्रदत्त यह सम्पत्ति हमें उपहार में मिली है। जिसे हमें सुरक्षित रखना है।
धन्यवाद

Sahil VII B (House - Green)

प्रकृति के संदेश (द्वितीय पुरस्कार)

प्रस्तावना – प्रकृति एक अनमोल धरोहर है। प्रकृति से ही हमें ये खुशहाल जीवन प्राप्त हुआ है अन्यथा यह जीवन वीरान है।

प्रकृति से हमें सुखमय जीवन प्राप्त हुआ है अर्थात् हमें भी प्रकृति को खुशहाल और समृद्धि वाला जीवन देने के लिए विशेष योगदान देने चाहिए। प्रकृति की देखभाल करनी चाहिए। प्रकृति की देखभाल यानि हमारे उज्जवल भविष्य की देखभाल। प्रकृति हमें राई से पहाड़ तक तथा उपयोगी व अनुपयोगी या प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष वस्तुएँ प्राप्त कराने के लिए सहायक होती है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ कर हम उसके असहनीय प्रकोप के भागीरदार बन रहे हैं।

प्रकृति का संदेश – प्रकृति का संदेश यह है कि "जीओ और जीने दो।"

प्रकृति की देखभाल हमें एक जीवन साथी की तरह करनी चाहिए। जो हमेशा एक दूसरे के सुख–दुःख के साथ रहें तथा एक–दूसरे के लिए पूरक रहें।

पेड़ बचाओ और पेड़ लगाओ पेड़ को मत कटने दो। क्योंकि पेड़ से हमें शुद्ध वायु तथा ऊर्जा के स्त्रोत प्राप्त होते हैं।

प्रकृति के दुष्प्रभाव – यदि हम प्रकृति के साथ खिलवाड़ तथा छेड़छाड़ करते हैं तो हम उसके दुष्प्रभाव से भी नहीं बच सकते। जैसे– बाढ़, आँधी, तूफान, भुखमरी और बीमारियाँ इत्यादि। इसलिए हमें प्रकृति को अपने दोस्त की तरह समझना चाहिए और अच्छा संबंध स्थापित करना चाहिए।

निष्कर्ष – प्रकृति के साथ हमें घनिष्ठ संबंध रखनें चाहिए और अपने मित्र की तरह समझना चाहिए। अतः प्रकृति की देखभाल किया करें और प्रकृति को महसूस किया करों। प्रकृति हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अतः हमें इसका कभी भी साथ नहीं छोड़ना चाहिए।

प्रकृति को बचाने के महत्वपूर्ण उपाय –

– पेड़ों को मत कटने दो।
– जंगलों व वनों को जलने से रोको।
– पेड़–पौधों को अधिक से अधिक लगाओ।
– जंगलों को मत कटने दो उन्हें बचाओ।

पेड़ बचाओ और पेड़ लगाओ

अतः हमें पता चलता है कि प्रकृति बिना मनुष्य का जीवन असंभव है।

Karan Rathore VII A, (House-Yellow)

देश की समस्याएँ विकास में बाधक
(प्रथम पुरस्कार)

प्रस्तावना – भारत एक अल्पविकसित देश हैं। जब भारत सन् 1947 में आजाद हुआ तब यह पिछड़े देशों की सूची में आता था। आज भारत एक अल्पविकसित देशों की सूची में आता है। लेकिन आज भी यह देश विकसित नहीं माना जाता। देश को विकसित करने का प्रयत्न तो किया गया लेकिन कुछ समस्याएँ देश के विकास में बाधाएँ डालने लगीं। ये समस्याएँ निम्नलिखित हैं–

जनसंख्या में वृद्धि – भारत के विकास में जनसंख्या की वृद्धि एक बड़ी समस्या है। माना जाता है कि भारत साल 2048 तक चीन को पीछे छोड़कर सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बना जायेगा। यह देखा गया है कि जिन देशों की

जनसंख्या कम होती है वह देश विकसित होते हैं– जैसे – जापान, जिसकी जनसंख्या भारत की अपेक्षा काफी कम है। आज वह देश दुनिया का सबसे ज्यादा विकसित देश माना जाता है। यहाँ ऐसे आधुनिक उपकरण है जो बाकि देशों में कम ही देखने को मिलते हैं। अमेरिका, जिसकी जनसंख्या लगभग 20–30 करोड़ है जो कि भारत की अपेक्षा काफी कम है। आज एक विकसित देश के साथ–साथ शक्तिशाली देश भी माना जाता है। जहाँ की चिकित्सा प्रणाली दुनिया में सर्वोत्तम है। भारत की जनसंख्या आज लगभग 135 से 140 करोड़ है जोकि दुनिया में दूसरे स्थान पर होना काफी मुश्किल है। अधिक जनसंख्या के कारण खाद्यान्न की कमी तेजी से होती है। अधिक जनसंख्या होने से बेरोजगारी की समस्या अधिक होती है। इसलिए भारत आज भी एक अल्पविकसित देश माना जाता है।

कृषि समस्या – कृषि को समस्या भारत के विकास में बाधक बनती है। आज भी भारत के किसान अत्याधुनिक उपकरण की जगह पारम्परिक तरीके से कृषि करते हैं। जिससे खाद्यान्नों की उत्पादन क्षमता न्यूनतम होती है। कम खाद्यान्न होने के कारण जनसंख्या पर प्रभाव पड़ता है। इसलिए कृषि की समस्या भी भारत के विकास में बाधक बन जाती है।

राजनीतिक अस्थिरता – राजनीति में अस्थिरता भारत के विकास के लिए एक समस्या है। भारत की राजनीति में पक्ष व विपक्ष एकमत नहीं होते। वे सदैव सत्ता में रहने के लिए प्रयास करते हैं लेकिन देश के विकास के लिए कोशिश नहीं करते। इसलिए राजनीति में अस्थिरता के कारण भारत विकास की दौड़ में पीछे रह जाता है।

उद्योग में पूँजीपतियों का राज – उद्योग में पूँजीपतियों व उद्योगपतियों का ही वर्चस्व है। कम पूँजी वाला व्यक्ति उद्योग में ज्यादा नहीं रह पाता। इन छोटे उद्योगपतियों को सरकार से भी समर्थन नहीं मिलता। जिस कारण सिर्फ बड़े उद्योगपति अच्छा व्यापार करते हैं। यह समस्या भी भारत के विकास में बाधक बनती है।

भ्रष्टाचार जैसी समस्या – भारत के लिए भ्रष्टाचार विकास में एक बड़ी बाधा है। इसके कारण भी विकास में बाधाएँ उत्पन्न होती हैं।

सांस्कृतिक भावना – भारत में लोग संस्कृति व परंपराओं को अधिक मानते हैं। जिस कारण लोग पुरानी परंपराओं को ही मानकर नई परंपराओं को नहीं मानते तथा आधुनिकीकरण को बुरा मानते हैं। साथ ही, लोग जातिवाद को अधिक महत्व देते हैं। शिक्षित लोग ऐसा कोई काम करना पसंद नहीं करते जो उन्हें अशिक्षित लोगों के साथ करना पड़े। उच्च जाति के लोग निम्न जाति के लोगों से आज भी भेदभाव करते हैं। कौन हिंदू है? कौन मुस्लिम है? लोग इस बात को ज्यादा महत्व देते हैं। विकास को इतना महत्व नहीं देते। इसलिए यह भेदभाव भारत के विकास में एक बड़ी बाधा है।

श्रमिकों की कमी – भारत में श्रमिकों की कमी होने के कारण विकास में रुकावट पैदा होती है। भारत में इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक इनकी कमी नहीं है लेकिन इनका साथ देने वाले श्रमिकों की काफी कमी है।

शिक्षा प्रणाली का महँगा होना – भारत में शिक्षा प्रणाली अधिक मँहगी है। जिस कारण सिर्फ उच्च या मध्यम आय वाला व्यक्ति ही अपने बच्चे को पढ़ा सकता है। निम्न आय वाले व्यक्ति धन की कमी के कारण नहीं पढ़ा पाता जिस कारण व्यक्ति उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाता। यह भारत के विकास में एक बाधक सिद्ध होती है।

निष्कर्ष – इन सभी समस्याओं के कारण भारत विकास के मार्ग में पीछे हैं। यदि इन सभी समस्याओं का निपटारा नहीं हुआ तो भारत कभी विकसित नहीं हो सकता।

Ankit Chaurasiya XI A (House - Yellow)

भारत की समस्याएँ विकास में बाधा
(द्वितीय पुरस्कार)

रूपरेखा – प्रस्तावना, तेजी से जनसंख्या का बढ़ना, बेरोजगारी, जातिवाद और अंधविश्वास, निरक्षरता

प्रस्तावना – विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत विश्वभर में अपनी अलग ही पहचान बनाए हुए हैं। जहाँ की मिट्टी में सुगंध, हवा में ताजगी और बोली में मिठास है। यही भारत वर्तमान में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा प्राप्त किए हुए है, देखा जाए तो भारत हर क्षेत्र में विकासशील है तो फिर आखिर कौन–सा देश ऐसा होगा जो अपने इस विकास को कम होते देख पाए। इतने विकास को प्राप्त करने के बावजूद कुछ ऐसी समस्याएँ हैं जो इसी विकास में बाधा के रूप में कार्य कर रहीं हैं जिनका विवरण में नीचे दे रहा हूँ–

तेजी से जनसंख्या का बढ़ना – किसी समय हमारे देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था, जहाँ कभी दूध की नदियाँ बहती थीं लेकिन शायद आज वहाँ के अधिकतर बच्चों को दूध के रंग का भी पता न हो इसका कारण और कुछ नहीं बढ़ती जनसंख्या है। आज देश के बच्चों को खाने के लिए भरपेट भोजन नहीं है पहनने के लिए कपड़े नहीं है जिस कारण बच्चे कमजोर और अस्वस्थ रहते हैं, जिस देश का भविष्य ही सही नहीं है वो देश भला विकास कैसे कर सकता है।

ये समस्या कोई आम समस्या नहीं है जो इसे नजर अंदाज किया जाए। देश में जनसंख्या इतनी तेजी के साथ बढ़ रही है कि वर्तमान समय में जनसंख्या 135 करोड़ के पार है जो एक चिंता का विषय है। हमारा देश चीन के बाद सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है। ऋग्वेद में भी कहा गया है कि "जहाँ प्रजा का आधिक्य होगा वहाँ का नागरिक निश्चित ही दुःखी होगा।" अर्थात् यदि हमने समय रहते इस समस्या पर काबू नहीं पाया तो हमारे विकास में बाधा डालता रहेगा।

बेरोजगारी – भारत के विकास में दूसरी सबसे बड़ी बाधा यही है, जिसका कारण बढ़ती जनसंख्या और शिक्षा का अभाव है। CMIE की रिपोर्ट के अनुसार भारत में बेरोजगारी दर कुल कार्यबल 7.8 फीसदी वर्तमान समय में हैं जो शहरों की अपेक्षा गाँवों में अधिक हैं। जिसका कारण सीमित संसाधन भी है। बेरोजगारी बढ़ने के कारण गरीबों, प्रति व्यक्ति आय में गिरावट आदि समस्याएँ देखी जा रही हैं। इसे रोकने के लिए सरकार ही नहीं अपितु हमें भी कदम उठाने चाहिए, हम एक शिक्षित समाज की स्थापना कर और जनसंख्या बढ़ोत्तरी को रोककर इसका निवारण कर सकते हैं क्योंकि व्यक्ति जितना शिक्षित होगा रोजगार के अवसर उतने बढ़ेंगें।

जातिवाद और अंधविश्वास – किसी समय भारत सिर्फ अपनी इसी खूबी के कारण जाना जाता था कि यहाँ विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं। लेकिन आज अंधविश्वास के कारण उस खूबी की जगह जातिवाद और साम्प्रदायवाद ने ले ली है। जो हिन्दू–मुस्लिम विवाद, छूआछूत आदि रूपों में देखने को मिलता है, लोग एक जुट होकर रहना भूल ही चुके हैं। जब लोग एक साथ ही नहीं रहेंगे तो देश विकास कैसे करेगा?

निरक्षरता – शिक्षित व्यक्ति ही एक बेहतर समाज का निर्माण करता है लेकिन भारत में शायद यह बस कहने की बात हैं क्योंकि यहाँ पर निरक्षरता इतनी बढ़ चुकी है कि आज हर चौथा व्यक्ति निरक्षर हैं जिसका कारण हमारे देश के सरकारी स्कूलों की स्थिति का खराब होना है क्योंकि वहाँ शिक्षा खराब होने के कारण कोई अपने बच्चों को इनमें पढ़ाना ही नहीं चाहता है और मँहगाई होने के कारण लोग अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में नहीं भेज पा रहे हैं। जिसका एक मुख्य कारण भ्रष्टाचार भी है अर्थात् हमारी सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।

भ्रष्टाचार – भ्रष्टाचार आज देश के कोने–कोने में व्याप्त हो चुका है, बिना रिश्वत कोई सरकारी अफसर छोटे से छोटे काम नहीं करता है। जिस कारण देश के नागरिक अनेक सुविधाओं से वंचित हैं।

Manish Kumar XI A (Hosue - Green)

भारत की समस्यायें विकास में बाधा
(द्वितीय पुरस्कार)

रूपरेखा – प्रस्तावना, समस्याएँ, उपाय, उपसंहार

प्रस्तावना – भारत में विभिन्न प्रकार की समस्याएँ हैं जो देश के विकास में बाधा उत्पन्न करती हैं। यह हमारे देश के लिए बहुत गंभीर बात है आज हम देश में होने और देश के विकास में बाधा उत्पन्न करने वाली समस्याओं के बारे में जानेंगे और उनके क्या–क्या उपाय हो सकते हैं और अंत में इन सब बातों का क्या परिणाम होता है। इन सब कारणों को जानेंगे।

समस्याएँ – देश की उन्नति करने, देश के विकास करने हेतु बहुत सी समस्याएँ और बाधाएँ सामने आती हैं। जिनका सामना करना हमारे लिए एक चुनौती बन जाती है। जैसे– मदिरा एवं अन्य नशीले पदार्थ, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, निरक्षरता, छोटी नौकरियाँ एवं छोटे व्यवसाए आदि

मदिरा एवं नशीले पदार्थ – हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है– नशा। हमारे देश के विकास के लिए आवश्यक है देश की जनता का विकास होना किंतु आजकल छोटे छोटे बच्चे स्कूल के विद्यार्थी भी नशीले पदार्थों के शिकार में आ जाते हैं या तो वह मानसिक रूप से बीमार होते या फिर वह बुरी संगत में आकर नशीले पदार्थों की आदत डाल लेते हैं।

बेरोजगारी – हमारे देश की दूसरी सबसे बड़ी समस्या है– बेरोजगारी। आजकल जनता को रोजगार प्राप्त नहीं हो रहा है और जब से कोविड–19 आया है तभी से करोड़ों लोग बेरोजगार हो चुके हैं और तभी से बेरोजगार बैठे हुए हैं जिससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ता है और यह तथ्य देश के विकास में बाधा उत्पन्न करता है।

भ्रष्टाचार – सबसे महत्वपूर्ण और देश के विकास में बाधक जो तथ्य सामने आता है वह है भ्रष्टाचार, देश में हो रहे घोटाले, देश के बेईमान नेताओं और घूसखोर सरकारी अफसरों आदि बातें हैं जो भ्रष्टाचार को प्रभावित करती है और एक बहुत बड़ी चुनौती (समस्याएँ) बनी हुयी हैं।

निरक्षरता – देश की जनता का अशिक्षित होना भी एक बहुत बड़ी समस्या है क्योंकि एक शिक्षित व्यक्ति ही है जो देश के विकास में अपना उत्तम योगदान दे सकता है जो देश की गरीबी आदि को दूर कर देश को साक्षर बना सकता है।

छोटी नौकरियाँ एवं छोटे व्यवसाय – छोटी नौकरियाँ एवं छोटे–छोटे व्यवसाय भी हमारे देश में अनेक प्रकार की बाधाएँ उत्पन्न करते हैं। अमेरिका में लोग ज्यादातर व्यवसाय करते हैं जिससे वह विकास की ओर बढ़ते हैं किंतु भारत में लोग यह सोचते हैं कि यह रिस्क का काम है और हानि हो सकती है।

भारत के विकास में होने वाली बाधाओं के उपाय

– हमारे देश को नशे के मुक्त कराने के लिए जगह जगह नशा मुक्ति केन्द्र खुलने चाहिए। छोटे बच्चों के साथ माता–पिताओं को वक्त बिताना चाहिए। बच्चों का मानसिक रूप से विकास होना चाहिए।

– सरकार को नए नए रोजगार प्रदान करना चाहिए। जनता को रोजगार करने हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए।

– देश में ईमानदार नेताओं को चुना जाना चाहिए, बेईमान लोगों को दण्ड दिया जाना चाहिए।

– जगह जगह शिक्षा का प्रसार होना चाहिए, सरकारी स्कूलों की स्थापना होनी चाहिए।

– लोगों को बड़े उद्योगों को स्थापित करने की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए, उनको बड़े बड़े व्यवसायों को स्थापित

करने के लिए सरकार को जनता को प्रोत्साहित करना चाहिए।

उपसंहार – इन समस्याओं के अतिरिक्त अनेक और भी समस्याएँ हैं जो देश में बाधा उत्पन्न करती हैं किंतु ये 5 तथ्य ऐसे हैं जो देश के विकास में बहुत बड़ी बाधाएँ बनी हुई हैं। हमें इन समस्याओं का सुधार करना होगा यदि हम इन समस्याओं का सुधार कर लेते हैं तो हमारा भारत भी विकास कर सकेगा और पूरी दुनिया में अपनी पहचान स्थापित कर सकेगा।

Naman Soni   XI B (House - Yellow)

Admission Open!

St. Paul's Inter College

(U.P. Board)

New Session 2023-2024

for Admission in Class **Nursery** to **IX & XI**

forms available from 15th February

* कक्षा Nursery से कक्षा 1 तक जन्म प्रमाण पत्र अनिवार्य है।
* अन्य सभी कक्षाओं के लिए मान्यताप्राप्त विद्यालय का T.C. अनिवार्य हैं।

गिरिजाघरों से लेकर घरों तक प्रभु जन्म की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा ईसाई समाज, रोशनी से झिलमिल हुए चर्च

प्रभु के इंतजार में चरनी, गौशाला बनकर तैयार

मेरी क्रिसमस

बाजारों में सजने लगीं दुकानें, केक की बिक्री

घरों में भी सजावट

यीशु जन्म का चित्रण

अकबर के दौर में रखी थी आधारशिला

कोविड को लेकर विशेष इंतजाम

खिलाड़ियों ने फुटबॉल में दिखाया दमखम

■ तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ शुभारम्भ

Amar Ujala 15 Oct 22

सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

माई सिटी रिपोर्टर

आगरा। मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में शुक्रवार को तीन दिवसीय लिनुस लाजरस मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत हुई। टूर्नामेंट में आगरा एत्मादपुर, टूंडला और फिरोजाबाद के विभिन्न विद्यालयों की 17 टीमें प्रतिभाग कर रहीं हैं।

टूर्नामेंट का शुभारंभ विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह ने फुटबॉल में किक मारकर किया। इस मौके पर अल्पसंख्यक मोर्चा महानगर मंत्री जॉन पॉल, कॉलेज के प्राचार्य फादर सजी पालामट्टम, प्रबंधक फादर एंड्रयू कोरिया, प्रधानाध्यापिका सिस्टर अमली ग्रेसी, स्पोर्ट्स इंचार्ज डेरिक पीटर आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में टूर्नामेंट का शुभारंभ करते विधायक धर्मपाल सिंह। संवाद

छात्रों ने कैरम, खो-खो, कबड्डी में दिखाया दम

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के आईईटी परिसर में क्रिकेट, कैरम, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो, बॉस्केटबॉल, पेंटिंग, रंगोली की प्रतियोगिताएं हुई। इसमें 200 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कुलपति प्रो. आशु रानी ने उद्घाटन किया। आईईटी निदेशक प्रो. मनुप्रताप सिंह ने खिलाड़ियों का परिचय करवाया। आयोजन में विपिन कुमार, डॉ. मुकेश बघेल, डॉ. सुनील कुमार, पुष्पेंद्र, हरवीर सिंह, डॉ. राजेश लवानियां, चंदन कुमार, अजीत सिंह यादव, डॉ. शिल्पी लवानियां, डॉ. रेखा शर्मा, डॉ. शालिनी शर्मा, डॉ. रत्ना पांडेय, डॉ. गिरीश कुमार, दीक्षा जैन आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

निशानेबाजी में दिखाया दम

आगरा। अप्पा फिएस्टा में शुक्रवार को टेबिल टेनिस, निशानेबाजी, वाद-विवाद समेत सात तरह की प्रतियोगिताएं सिंबोजिया स्कूल, सेंट फ्रांसिस कान्वेंट स्कूल, सुमित राहुल गोयल मेमोरियल स्कूल, एसएस कॉन्वेंट स्कूल और सेंट एंड्रूज स्कूल में हुईं। इसमें 90 से अधिक स्कूलों के 1000 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बच्चों ने राइफल से सटीक निशाने लगाए। फैंसी ड्रेस में बच्चों ने पेड़-पौधे, बोस-भगत सिंह समेत देवी-देवताओं का रूप धरा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुति दी। सुमित राहुल अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता, सचिव डॉ. गिरधर शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. ओएस राणा, रामानंद चौहान, टीएस राणा, कर्नल अपूर्व त्यागी, मनीष गुप्ता, प्रांजल शर्मा आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

एडीजी सर की कक्षा में बच्चों ने सीखा जिंदगी का पाठ

● एडीजी कार्यालय में लगी विशेष कक्षा में हुआ संवाद ● विद्यार्थियों ने पूछे सवाल, उदाहरण के साथ मिले जवाब

जासं, आगरा: एडीजी सर सड़कों पर अतिक्रमण से आए दिन दुर्घटना होती है। जाम की समस्या से प्रतिदिन लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। हम क्या कर सकते हैं? विद्यार्थियों के ऐसे कई सवालों का जवाब यही मिला कि जिम्मेदार हम भी हैं। लोगों द्वारा पैदा की गई ये समस्याएं लोगों के सहयोग से ही सुलझेंगी।

एडीजी आगरा जोन राजीव कृष्ण की गुरुवार को कार्यालय परिसर में आयोजित विशेष कक्षा में विद्यार्थियों को उनकी जिम्मेदारी समझाने के साथ सहयोग की अपील भी की गई। उन्होंने सेंट विंसेंट गर्ल्स हाईस्कूल, सेंट पाल्स इंटर कालेज और सेंट मार्क्स पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। पुलिस-पब्लिक सहयोग की आवश्यकता को देखते हुए, सिविल सोसायटी आफ आगरा के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में एडीजी ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करके हम बहुत हद तक व्यवस्था को सुधार सकते हैं। वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें।

अभिभावकों को बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करते हुए उन्हें समय देना चाहिए। इसका सकारात्मक प्रभाव बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि मोबाइल का सीमित प्रयोग करें। साइबर अपराध से बचने का सही तरीका यही है कि अनजान मैसेज या फोन काल को अनदेखा करें। किसी के साथ पासवर्ड या खातों की गोपनीय जानकारी साझा न करें। इस मौके पर सिविल सोसायटी के अध्यक्ष शिरोमणि सिंह, सचिव अनिल शर्मा, राजीव सक्सेना, असलम सलीमी, शिक्षिका विभा शर्मा, वसुधा सिंह, मंजुला सेठ आदि मौजूद रहे।

ऐसे चुनें करियर: एडीजी ने कहा कि 12वीं तक पढ़ाई पर पूरा ध्यान दें और तैयारी प्राथमिकता से करें। सफलता के लिए स्मार्ट तरीके से पढ़ाई आवश्यक है। छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित करके आगे बढ़ें। प्रदर्शन के आधार पर स्वयं का आंकलन करें और रास्ता खुद चुनें। अभिभावक-शिक्षक आपको तभी समझा सकते हैं, जब आप समझना चाहें।

अपना अनुभव भी बताया: उन्होंने बताया कि मैंने कम पाठ्यक्रम देखकर फिलासिफी को चुन लिया था। दूसरा विषय लोक प्रशासन था, लेकिन पढ़ने पर पता चला कि निर्णय गलत रहा क्योंकि पाठ्यक्रम देखने में भले कम था, लेकिन हर थ्योरी के लिए अलग किताब पढ़नी पड़ी। फिर भी हार नहीं मानी और सफलता पाई।

गुरुवार को एडीजी जोन राजीव कृष्ण के कार्यालय में विशेष कक्षा के दौरान प्रश्न पूछती छात्रा ● जागरण

मैंने सवाल किया कि साइबर हमलों से कैसे बचा जा सकता है? इसकी शिकायत कहां करें? उन्होंने हमें हेल्पलाइन नंबर 112 के बारे में विस्तार से समझाया।

साहिब हुसैन, छात्र

मैंने सवाल किया था कि हम आइपीएस कैसे बन सकते हैं? उन्होंने बताया कि यूपीएससी के माध्यम से रैंक के हिसाब से आइएएस और आइपीएस रैंक मिलती है।

शहनवाज हुसैन, छात्र

यह भी आए प्रश्न

- सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए क्या करना चाहिए?
- इंजीनियरिंग, मेडिकल, सीए व अधिवक्ता बनने के लिए क्या प्रक्रिया अपनाएं?
- परिवार का अपेक्षित सहयोग न मिले, तो क्या करें?
- कभी-कभी जो मार्गदर्शन चाहिए होता है, वह नहीं मिलता, ऐसे में हम कहां जाएं?

सेंट पाल में लगाई प्रदर्शनी, पेश किए माडल

मोती लाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में शनिवार को लगाई गई शैक्षणिक प्रदर्शनी को देखती मुख्य अतिथि ● जागरण

आगरा: मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पाल्स इंटर कालेज में शनिवार को शैक्षणिक प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने सभी विषयों पर आधारित माडल प्रदर्शित व अपनी प्रतिभा दिखाई। सेंट अल्फोंसा विशिष्ट विद्यालय के छात्रों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। आर्ट एंड क्राफ्ट में पृथ्वी संरक्षण के लिए विशाल वृक्ष द्वारा जागरूकता संदेश दिया गया। हिंदी, अंग्रेजी, विज्ञान, वाणिज्य, सामाजिक विषय, कंप्यूटर आदि के विभिन्न विषयों पर आधारित माडल प्रदर्शित किए ग दिव्यांग छात्रों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प का प्रदर्शन किया गया। उद्घाटन डा. बीना लवानिया ने किया। स्कूल प्रबंधक व सेंट पीटर्स प्रधानाचार्य फादर एंड्रयू कोरिया, फादर वर्गीस कुन्नथ, प्रधानाचार्य फादर सजी पीए, प्रधानाध्यापक सिस्टर ग्रेसी आदि मौजूद रहे।

प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल ने जीता फुटबाल टूर्नामेंट

सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट की विजेता टीम। संवाद

आगरा। मोतीलाल नेहरू रोड स्थित सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय लीनुस लॉजरस मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच रविवार को खेला गया। प्रिल्यूड ने पैनल्टी शूटआउट में होली पब्लिक स्कूल को 2-1 से हराकर खिताब जीता।

मुख्य अतिथि सीओ सदर अर्चना सिंह ने कहा कि खेल बच्चों के विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। आजकल मोबाइल और इंटरनेट की वजह से बच्चे घर से बाहर खेलना पसंद नहीं करते, जो चिंता का विषय है। प्रिल्यूड पब्लिक स्कूल के निदेशक व अप्सा के अध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता, होली पब्लिक स्कूल के निदेशक शम्मी तोमर मौजूद रहे। प्रधानाचार्य फादर सजी पालामट्टम, फादर मून लॉजरस, प्रधानाध्यापिका सिस्टर एमिली ग्रेसी, स्पोर्ट्स इंचार्ज डेरिक पीटर के साथ एनके शर्मा, विशाल जैन, आरती पाहुजा, मीनू राठौर आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में आजादी के अमृत महोत्सव पर भव्य प्रदर्शनी लगी।

विज्ञान, कला और कल्पनाओं का दिखाया संगम

आगरा। सेंट पॉल्स इंटर कॉलेज में शनिवार को शैक्षणिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। छात्रों ने सभी विषयों पर आधारित मॉडल के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. बीना लवानिया, विद्यालय प्रबंधक फादर एंड्रयू कोरिया, फादर वर्गीस कुन्नथ और प्रधानाचार्य फादर सजी पीए., प्रधानाध्यापिका सिस्टर ग्रेसी ने किया। सेंट अल्फोंसा विशिष्ट विद्यालय के छात्रों ने हुनर का अद्भुत प्रदर्शन किया।

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

Class LKG

Class UKG

Class 1-A

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

2022-2023

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

Class 1-B

Class 2-A

Class 2-B

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

Class 3

Class 4-A

Class 4-B

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

Class 5-A

Class 5-B

Class 6-A

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

Class 6-B

Class 7-A

Class 7-B

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

2022-2023

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

Class 8-A

Class 8-B

Class 9-A

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

2022-2023

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

Class 9-B

Class 10-A

Class 10-B

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

Class 11-A

Class 11-B

Helping Staff

ST. PAUL'S INTER COLLEGE

Motilal Nehru Road, Agra, Contact Us : 8439384452, E-mail : sphsagra@rediffmail.com

FR. SAJI PALAMATTOM
(Principal)

Class 12-A

1st Row Sitting (Left to Right): Dev Gola, Rohit Pal, Rizwan Khan, Arbaz Khan, Tridev, Sr. Amali Gracy *(Headmistress)*, Fr. Saji P.A. *(Principal)*, Mr. Naresh Kumar Sharma *(Class Teacher)*, Micheal Paul, Sameer Khan, Ramandeep Singh, Ritik Singh, Ayush Rathore

2nd Row Standing: Krishna Singh, Ayush Singh, Ritik Kumar, Shahnawaz hussain, mayank Singh, Aman, Sumit Kumar Paul, Saurabh Kumar Lohiya, Pushkar Gangwal, Joy R. Masih

Class 12-B

1st Row Sitting (Left to Right): Mohd. Oved Nadeem, Uzail Uddin, Anubhav Gupta, Nikhil Deep, Amit Bhargava, Sr. Amali Gracy *(Headmistress)*, Fr. Saji P.A. *(Principal)*, Mrs. Meenu Lazarus *(Class Teacher)*, Laksh Agarwal, Rishabh Jain, Aditya Chauhan, Aman Kardam, Arpit Pal

2nd Row Standing: Dev, Shivam Rathor, Parth Agarwal, Mayank Bansal, Shivam Diwakar, Prince Gangwal, Mohd, Sharik, Krrish Verma, Rohan Pathre, Kartik Pal, Krishna Shakya, Alok Kumar

3rd Row Standing: Sumit Baghel, Mayank Goyal, Sumit Gola, Vivek Gangwal, Ankit Verma, Ujjwal Agarwal, Anas Afaq, Om Bansal, Kanishek Gupta, Sumit Kumar, Ansh Agarwal, Pradosh Bansal, Enose Thomas, Gaurav Pal, Raunak Singh

4th Row Standing: Krishna Badgujar, Cyril Richard, Kamal Sharma, Asif Hussain, Bilal Qadir, Nabil Uddin, Adarsh Kumar Chandel, Ram Shukla, Mohd. Mukeet, Shahid Khan, Mohd. Anas Hussain, Nakul Rathore, Neetesh Kumar Sagar, Kaif

सेण्ट पॉल्स के चमकते सितारे

MAYANK KAIN
(X - 89.83%)

NIKHIL PRASAD
(XII Sci.-82.4%)

UJWAL MANGAL
(XII Com.-77.6%)

सत्र 2021-22 में अपनी कक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र

MOHD. ARBAB
94.30 % (LKG)

ARISH ANSAR
(UKG - 94%)

MOHD. JUNAID
(I - 85.83%)

RONAK GUPTA
(II - 87.92%)

ANSHUL SINGH
(III - 89.58%)

YASH SINGH
(IV -71.5%)

Vansh Sharma
(V - 79.09%)

KARAN RATHORE
(VI - 84.29%)

NAITIK SHARMA
(VII - 70.94%)

DHRUV KUMAR
(VIII - 86.2%)

PUNEET KUMAR
(IX - 83.14%)

DEV GOLA
(XI Sci. - 85.70%)

PRADOSH BANSAL
(XI Com. - 80%)

सत्र 2021-22 में शत्-प्रतिशत् उपस्थित रहने वाले छात्र

ANSH KUSHWAH
(I)

UTSAV KUMAR
(IV - A)

MOHD. ASAD KHAN
(IV-A)

MEGHRAJ SINGH JADON
(XII-B)

ST. PAUL'S INTER COLLEGE
MOTILAL NEHRU ROAD, AGRA - 282 003, Mob. : 8439384452, E-mail. : sphsagra@rediffmail.com Website : www.stpaulsagra.in

St. Joseph's Printing School, Agra 9457777308